UGC NET Paper= 2.. Sanskrit

Filler Form

YouTube

🎯JRF का जलवा 🔥 🏆

पुराणेतिहास, धर्मॅशास्त्र ,एवं अभिलेखशास्त्र सामान्य परिचय

UNIT=9

Daily = 6 pm

Class = 51

By=NIDHU CHAUDHARY

B.A., M.A., P.G.D.C.A., now Ph.d purshuing

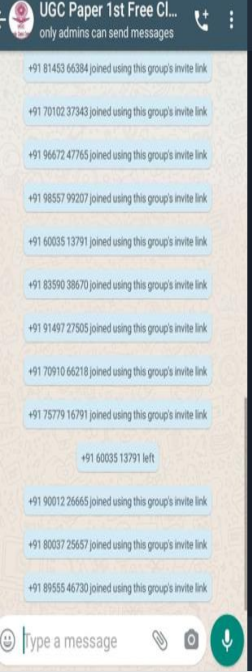
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
+91 60035 13791 left
Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers
December 28
Channel created
Channel photo changed
UGC
Broadcast

government_job_2020
1,711 Posts
6,845 Followers
Govt job 2020 (Fillerform) 17K
Education Website
Free Online Computer Class
1. Baisc computer
2. Web development
3. Hacking ... more
youtu.be/mlfPC5C-EvQ
Jaipur, Rajasthan
Edit Profile
Promotions
Insights
Contact
New
YouTube
2000 users

Filler Form
LATEST UPLOADS
UGC NET Paper 1st
Teaching Aptitude
"Level of Teaching"
LEARNING MATERIAL
Quizzes
Notes
Sample Papers
UGC NET 100%
Off Free Class
Free Notes
Live Class
100% OFF
5000+MCQ+PYQ
Free Books
fillerform

8209837844
NET Free Class
www.ugc-net.com
09:00 AM- GK Class
11:00 AM- Paper 1st
12:00 PM - Hindi 2nd
01:00 PM- History 2nd
02:00 PM- Paper 1st MCQ
03:00 PM- Commerce 2nd
06:00 PM- Sanskrit 2nd
08:00 PM - Computer 2nd
09:00 PM- Paper 1st DI
Fillerform

m

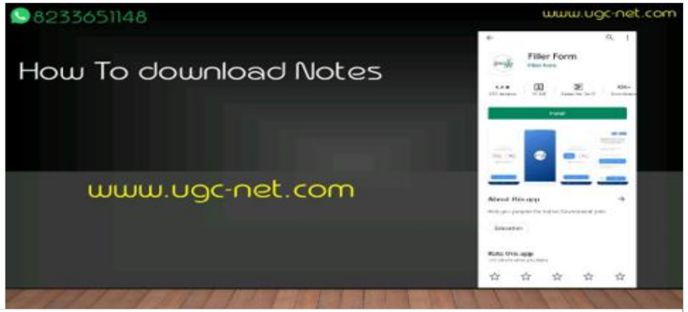
8233651148
www.ugc-net.com
How To download Notes
www.ugc-net.com
Filler Form
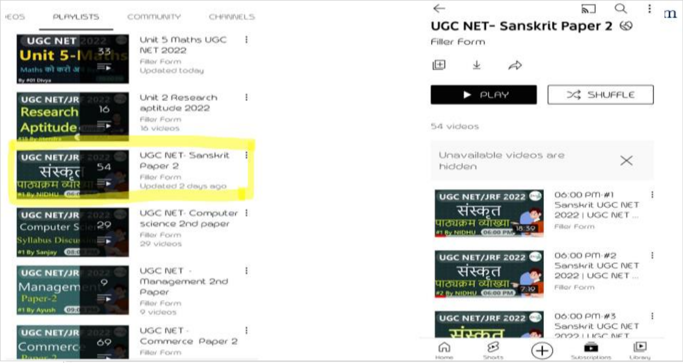
PLAYLISTS
COMMUNITY
CHANNELS
Unit 5 Maths UGC NET 2022
Unit 2 Research aptitude 2022
UGC NET- Sanskrit Paper 2
UGC NET- Computer science 2nd paper
UGC NET - Management 2nd Paper
UGC NET - Commerce Paper 2
UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
PLAY
SHUFFLE
54 videos
Unavailable videos are hidden

UGC NET Giveaway
Win Books
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844
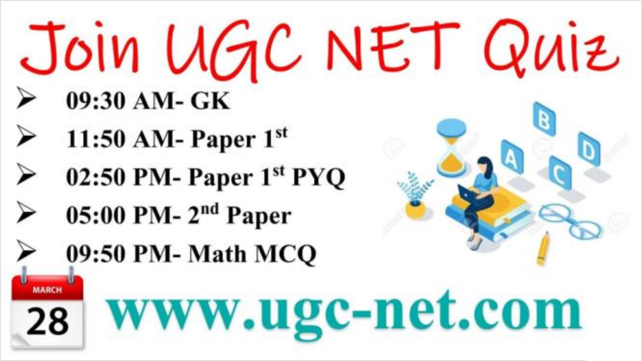
Join UGC NET Quiz
09:30 AM- GK
11:50 AM- Paper 1st
02:50 PM- Paper 1st PYQ
05:00 PM- 2nd Paper
09:50 PM- Math MCQ
MARCH 28
www.ugc-net.com
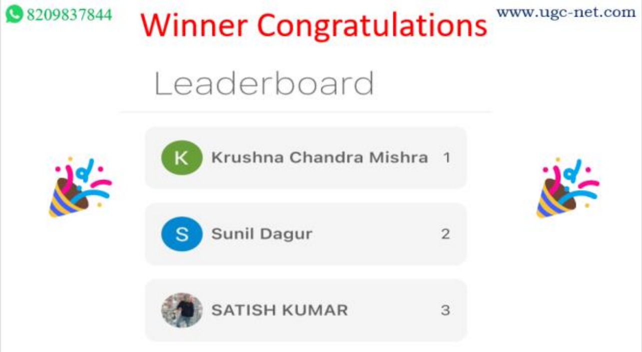
8209837844
Winner Congratulations
www.ugc-net.com
Leaderboard
Krushna Chandra Mishra 1
Sunil Dagur 2
SATISH KUMAR 3

UGC NET Giveaway
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

Join UGC NET Quiz
Join Free
MARCH 28
www.ugc-net.com

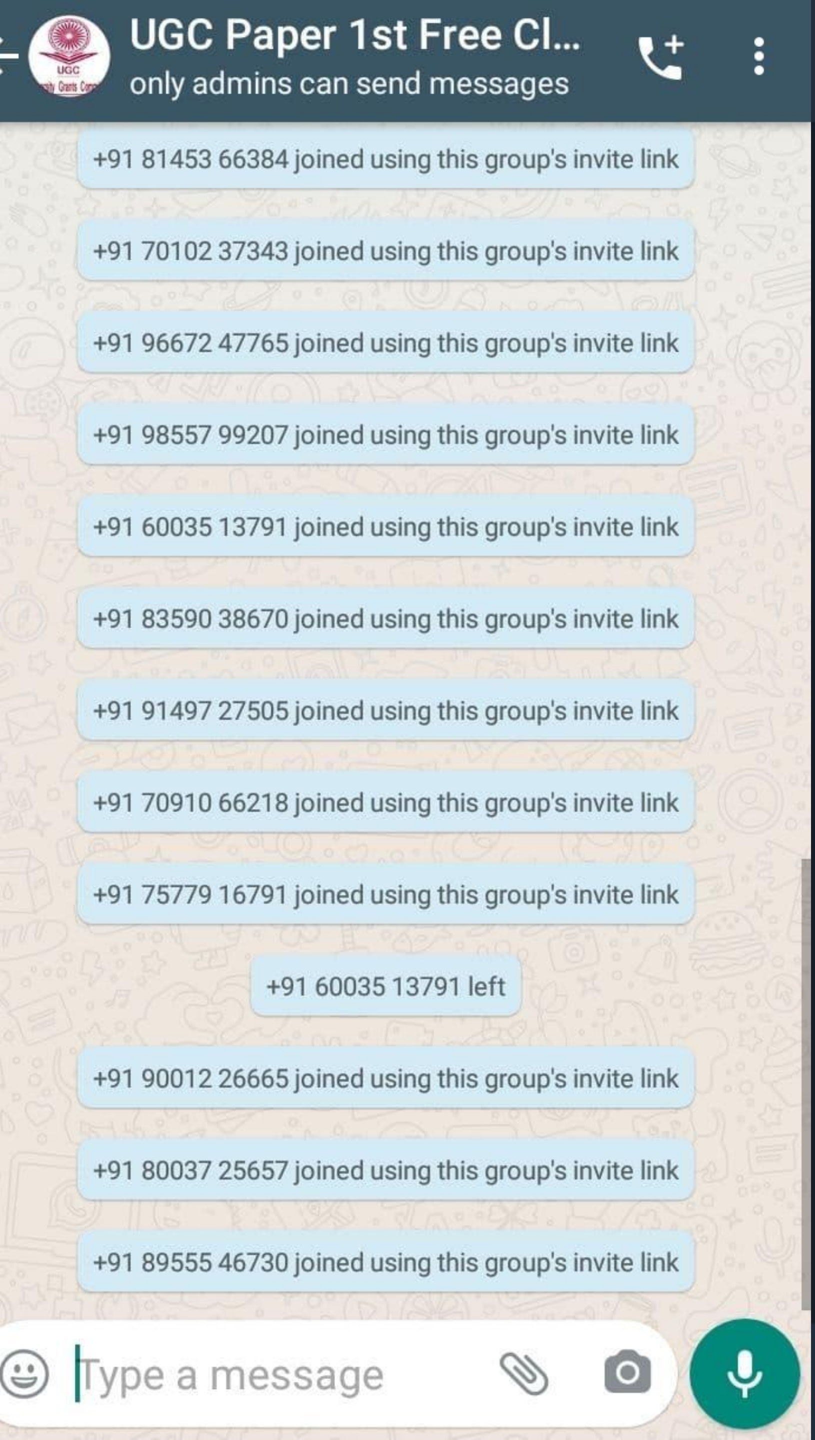
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
+91 81453 66384 joined using this group's invite link
+91 70102 37343 joined using this group's invite link
+91 96672 47765 joined using this group's invite link
+91 98557 99207 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 joined using this group's invite link
+91 83590 38670 joined using this group's invite link
+91 91497 27505 joined using this group's invite link
+91 70910 66218 joined using this group's invite link
+91 75779 16791 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 left
+91 90012 26665 joined using this group's invite link
+91 80037 25657 joined using this group's invite link
+91 89555 46730 joined using this group's invite link
Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers
December 28
Channel created
Channel photo changed
UGC
Broadcast

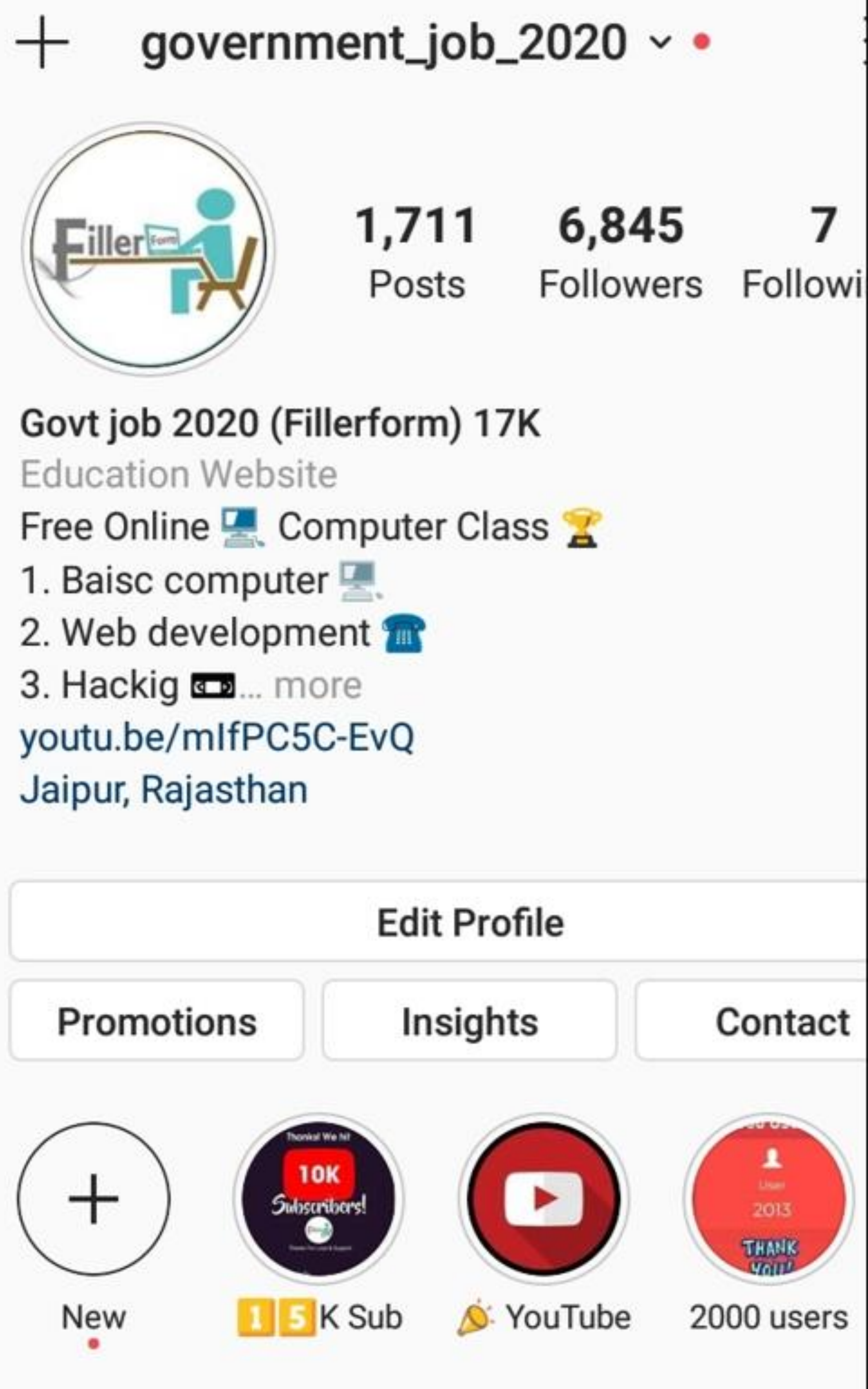
government_job_2020
1,711
Posts
6,845
Followers
7
Followi
Govt job 2020 (Fillerform) 17K
Education Website
Free Online Computer Class
1. Baisc computer
2. Web development
3. Hackig ... more
youtu.be/mIfPC5C-EvQ
Jaipur, Rajasthan
Edit Profile
Promotions
Insights
Contact
New
15K Sub
YouTube
2000 users

Filler Form
LATEST UPLOADS
UGC NET Paper 1st
Teaching Aptitude
"Level of Teaching"
11:00 AM Level Of Teaching | Teaching
11:00 AM Level Of Teaching | Teaching Aptitude By Jitendra Goswami | NET
LEARNING MATERIAL
Quizzes
Notes
Sample Papers
UGC NET 100%
Off Free Class
Free Notes
Live Class
5000+MCQ+PYQ
Free Books
100% OFF
fillerform

8209837844

www.ugc-net.com

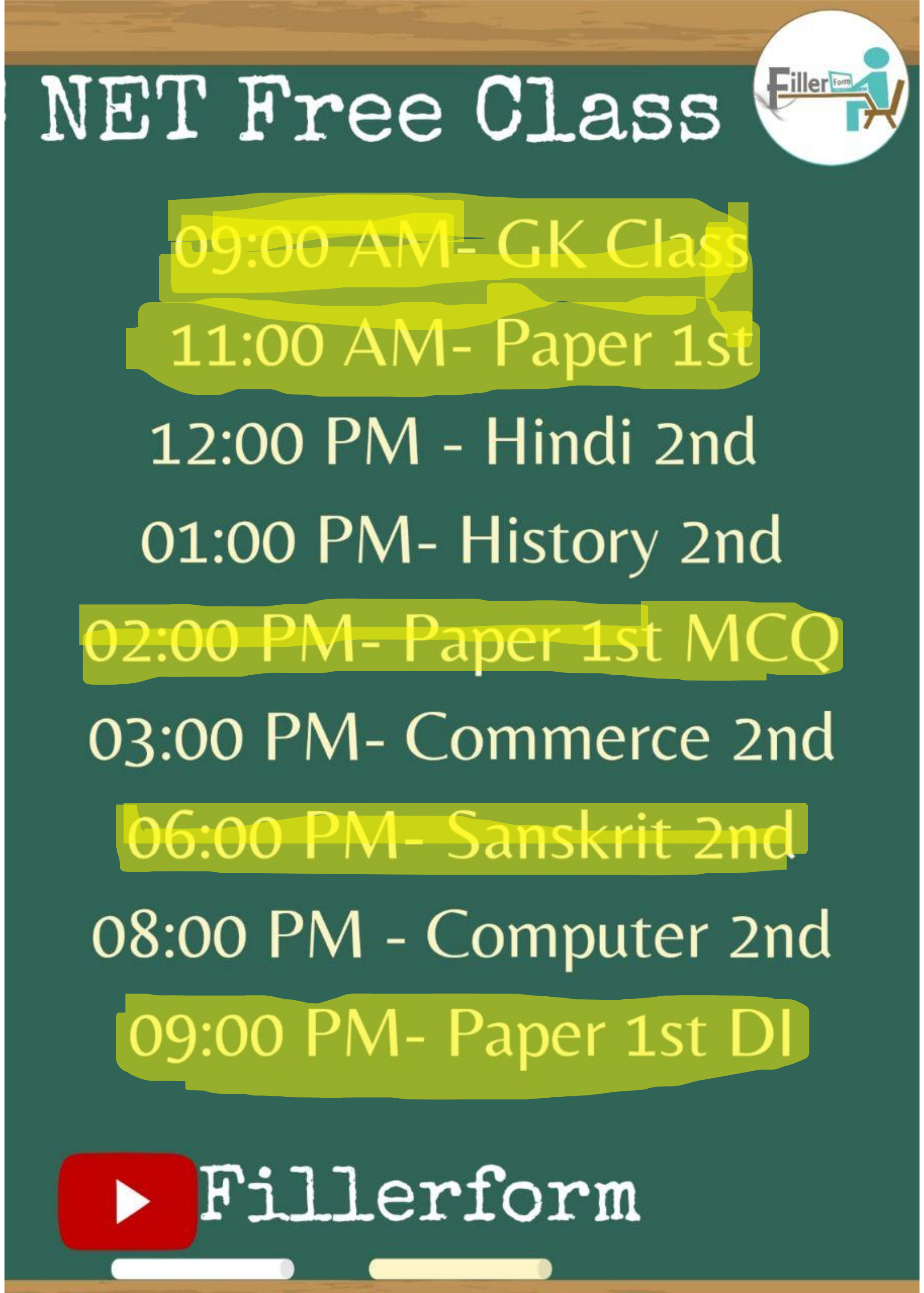

8233651148

www.ugc-net.com

How To download Notes

www.ugc-net.com

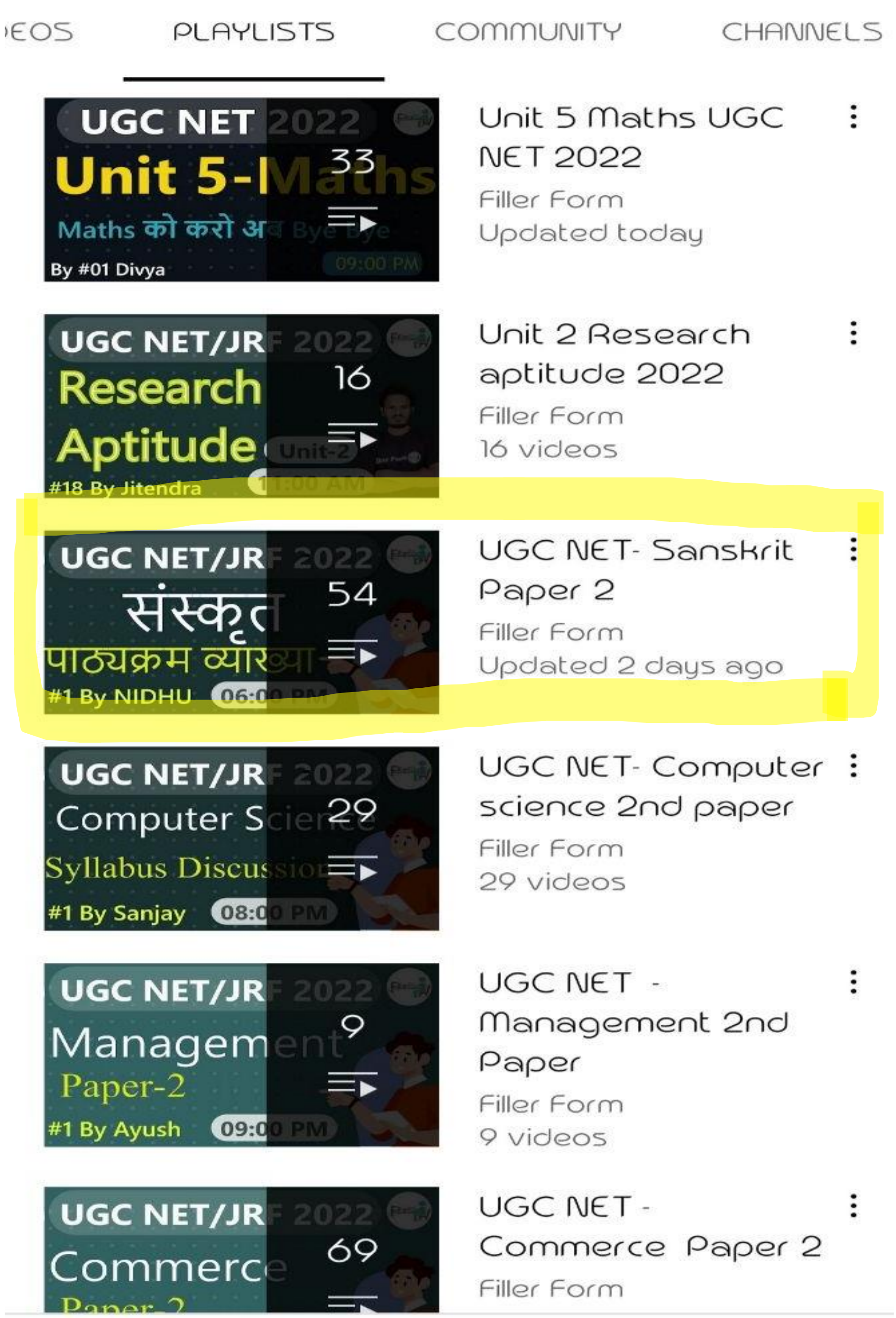

EOS
PLAYLISTS
COMMUNITY
CHANNELS
UGC NET 2022
Unit 5-Maths
33
By #01 Divya
Unit 5 Maths UGC NET 2022
Filler Form
Updated today
UGC NET/JRF 2022
Research Aptitude
16
#18 By Jitendra
Unit 2 Research aptitude 2022
Filler Form
16 videos
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
54
#1 By NIDHU
UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
Updated 2 days ago
UGC NET/JRF 2022
Computer Science
Syllabus Discussion
29
#1 By Sanjay
UGC NET- Computer science 2nd paper
Filler Form
29 videos
UGC NET/JRF 2022
Management
Paper-2
9
#1 By Ayush
UGC NET - Management 2nd Paper
Filler Form
9 videos
UGC NET/JRF 2022
Commerce
69
UGC NET - Commerce Paper 2
Filler Form

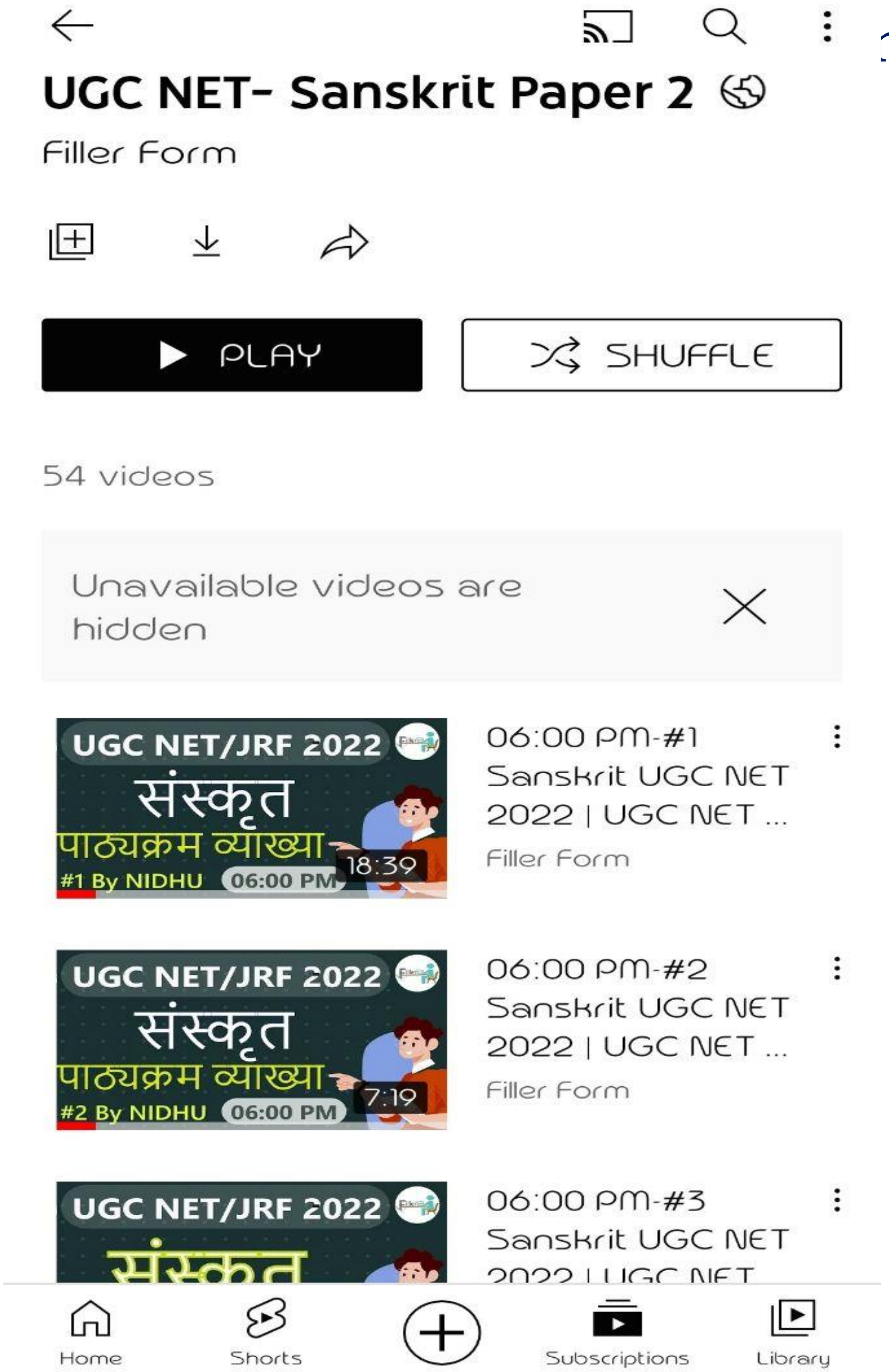

UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
PLAY
SHUFFLE
54 videos
Unavailable videos are hidden
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
#1 By NIDHU
06:00 PM
18:39
06:00 PM-#1 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET ...
Filler Form
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
#2 By NIDHU
06:00 PM
7:19
06:00 PM-#2 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET ...
Filler Form
UGC NET/JRF 2022
06:00 PM-#3 Sanskrit UGC NET
Home
Shorts
Subscriptions
Library

Join UGC NET Quiz

Join Free

MARCH 28

www.ugc-net.com

Join UGC NET Quiz

- **09:30 AM- GK**
- **11:50 AM- Paper 1st**
- **02:50 PM- Paper 1st PYQ**
- **05:00 PM- 2nd Paper**
- **09:50 PM- Math MCQ**

www.ugc-net.com

UGC NET Giveaway

www.ugc-net.com Fillerform 8209837844

UGC NET Giveaway

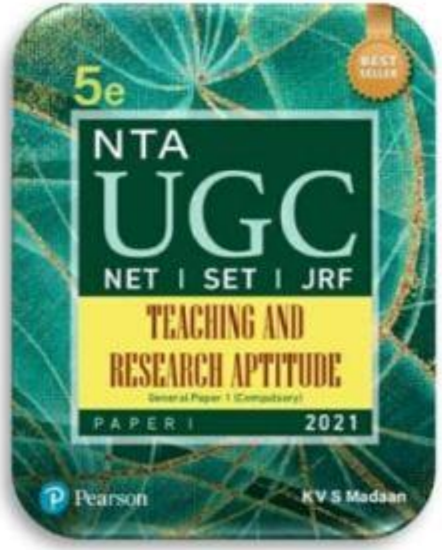

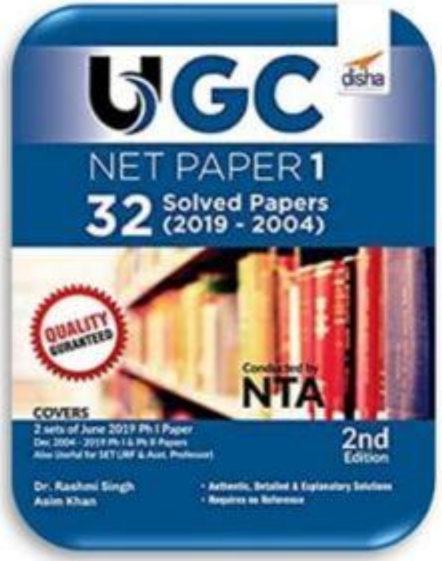

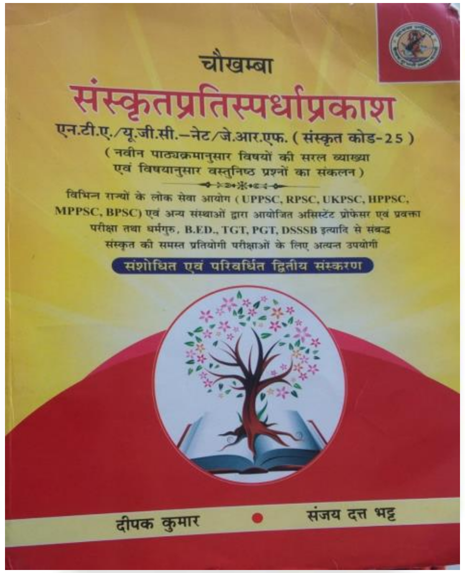

Win Books

www.ugc-net.com Fillerform 8209837844

Winner Congratulations

Leaderboard

K	Krushna Chandra Mishra	1
S	Sunil Dagur	2
	SATISH KUMAR	3

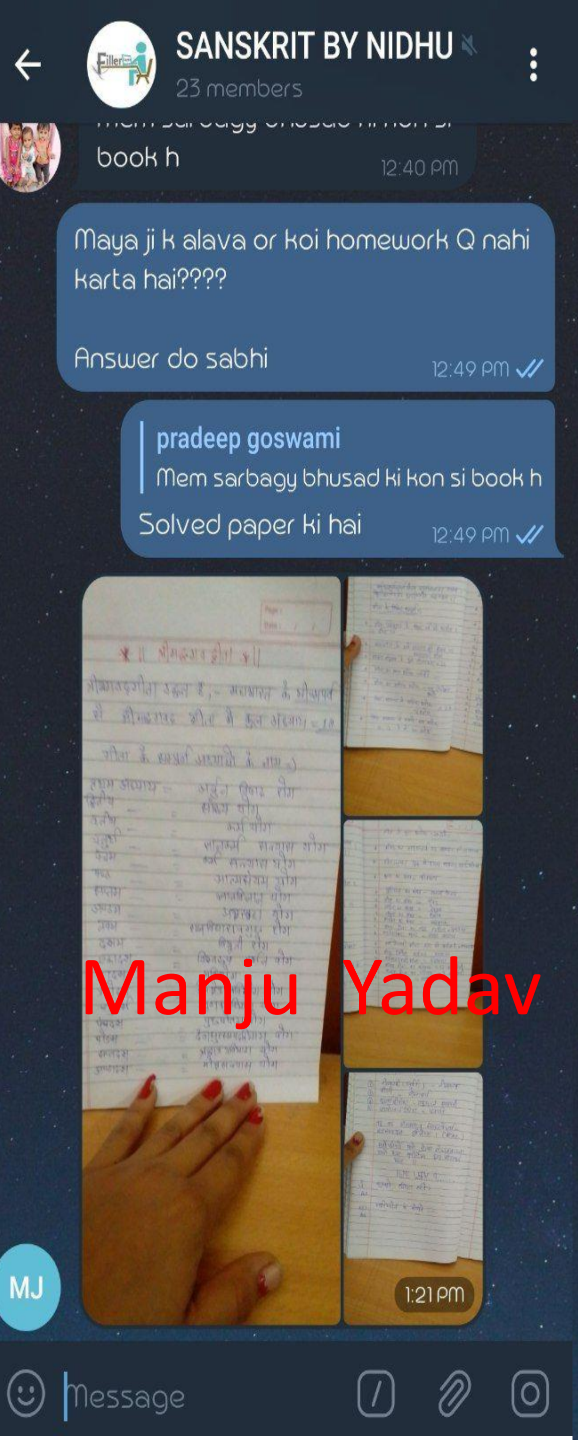
SANSKRIT BY NIDHU
23 members
book h 12:40 PM
Maya ji k alava or koi homework Q nahi karta hai????
Answer do sabhi 12:49 PM
pradeep goswami
Mem sarbagy bhusad ki kon si book h
Solved paper ki hai 12:49 PM
1:21 PM
Manju Yadav
MJ
Message

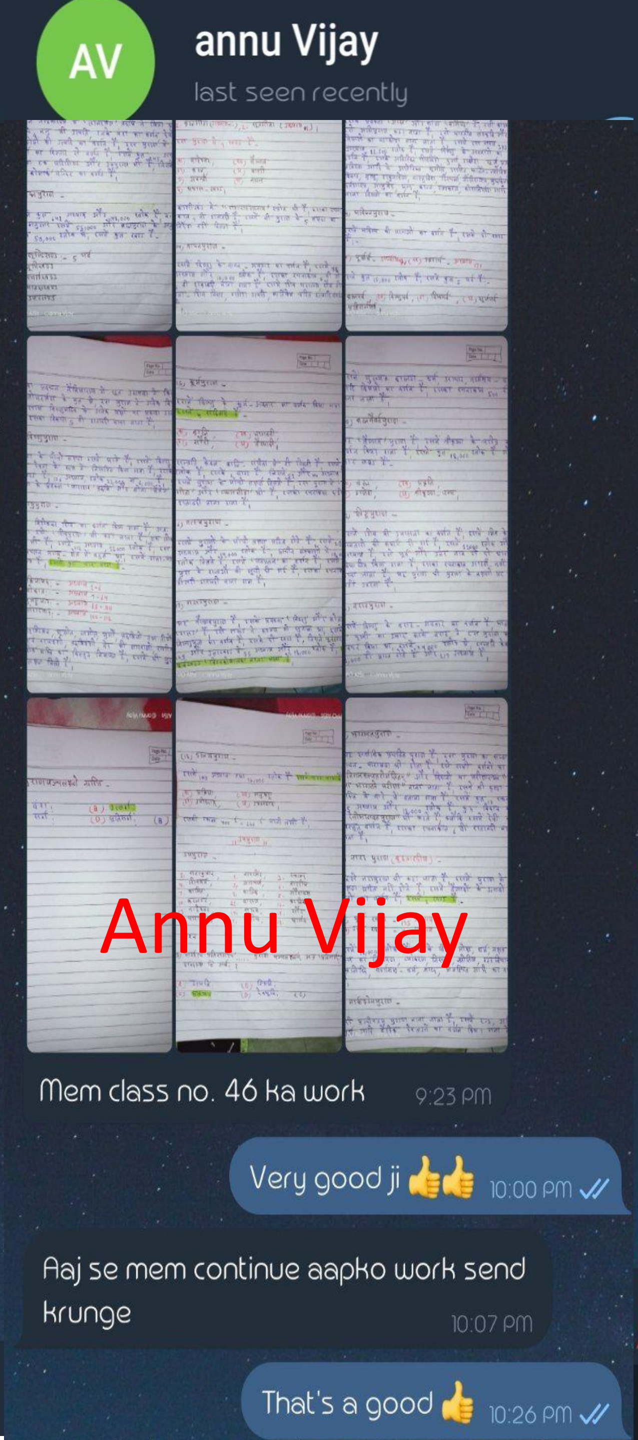
AV
annu Vijay
last seen recently
Annu Vijay
Mem class no. 46 ka work 9:23 PM
Very good ji 👍👍 10:00 PM
Aaj se mem continue aapko work send krunge 10:07 PM
That's a good 👍 10:26 PM

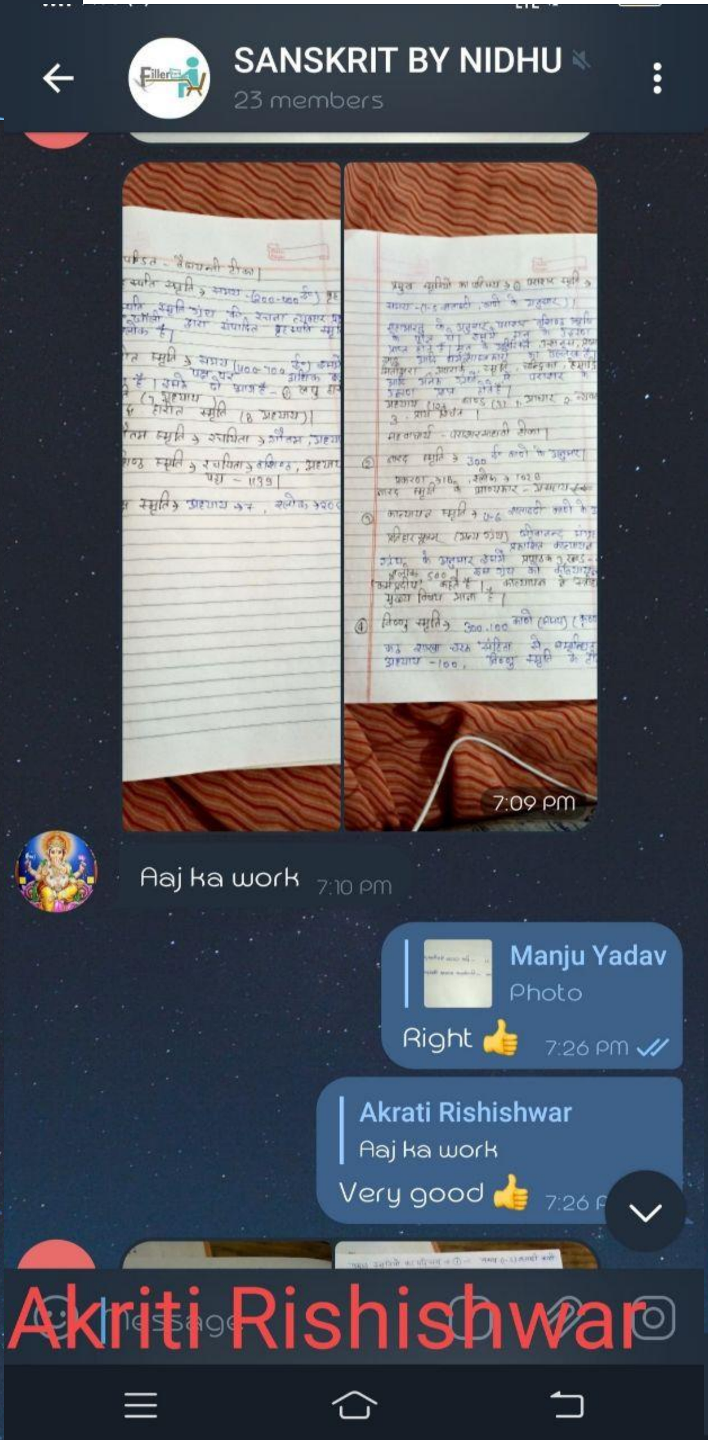
SANSKRIT BY NIDHU
23 members
7:09 PM
Aaj ka work 7:10 PM
Manju Yadav
Photo
Right 👍 7:26 PM
Akrati Rishishwar
Aaj ka work
Very good 👍
Akriti Rishishwar

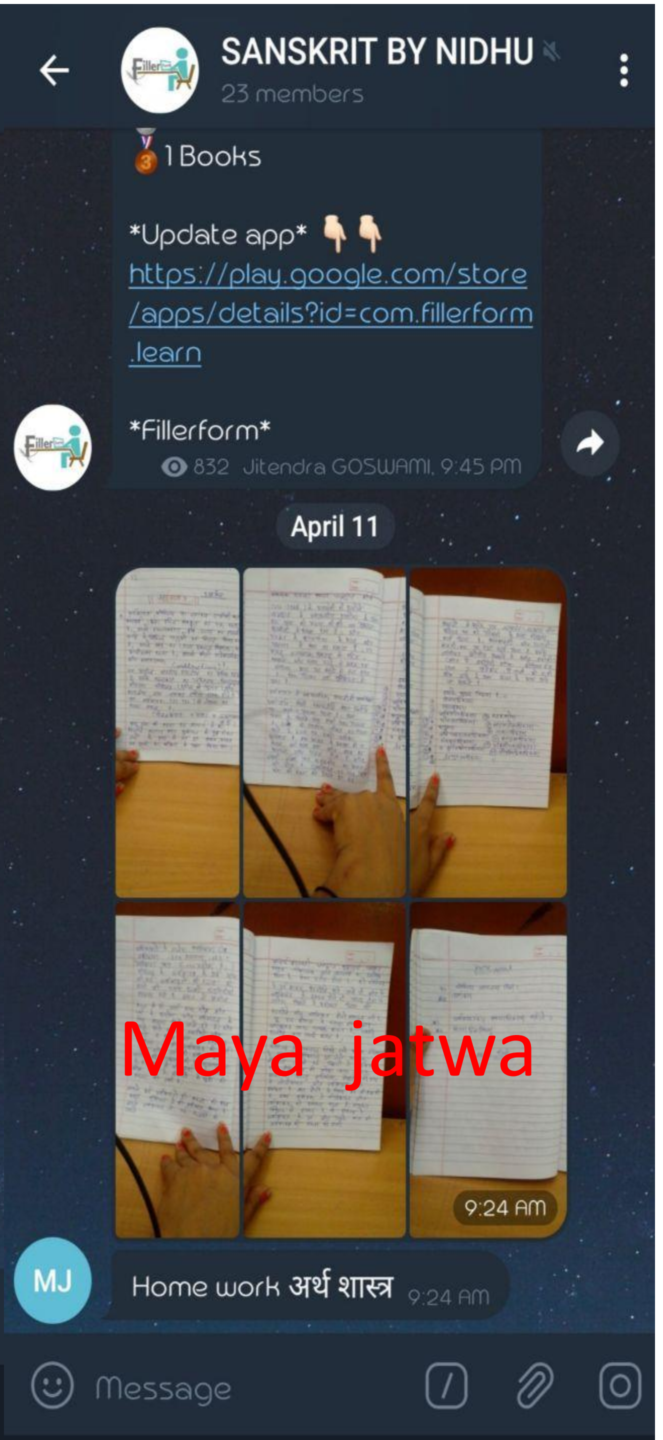
SANSKRIT BY NIDHU
23 members
1 Books
Update app 👇👇
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.fillerform.learn
Fillerform
832 Jitendra GOSWAMI, 9:45 PM
April 11
9:24 AM
Maya jatwa
MJ
Home work अर्थ शास्त्र 9:24 AM
Message

Home work Answer.....

85. कौटिल्यस्य अपरनाम किम् ?

(A) चन्द्रगुप्तः
(B) समुद्रगुप्तः
(C) चाणक्य
(D) वाल्मीकिः

86. अर्थशास्त्रस्य प्रथमाधिकरणं वर्तते –

(A) विनयाधिकारिकम्
(B) योगवृत्तम्
(C) धर्मवृत्तम्
(D) षाड्गुण्यम्

8209837844

www.ugc-net.com

Today's Topic...

॥लिपि॥

8209837844 www.ugc-net.com

॥लिपि॥

परिचय- 'लिपि' या लेखन प्रणाली का अर्थ होता है किसी भी भाषा की लिखावट या लिखने का ढंग। ध्वनियों को लिखने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, वही लिपि कहलाती है। लिपि और भाषा दो अलग अलग चीज़ें होती हैं। भाषा वो चीज़ होती है जो बोली जाती है, लिखने को तो उसे किसी भी लिपि में लिख सकते हैं। किसी एक भाषा को उसकी सामान्य लिपि से दूसरी लिपि में लिखना, इस तरह कि वास्तविक अनुवाद न हुआ हो, इसे लिप्यन्तरण कहते हैं।

8209837844 .ugc-net.com

लिपि का इतिहास-

भाषा का सम्बन्ध ध्वनियों से है। ध्वन्यात्मक भाषा वक्ता के मुख से निकल कर श्रोता के कान तक पहुँचकर अपना प्रभाव प्रकट करती है। यह वाचिक भाषा है। वक्ता के मुख से निकलने के कुछ क्षणों बाद इसका स्वरूप नष्ट हो जाता है। मानव की प्रवृत्ति है। मुख कि वह अपने कार्यों और विचारों को स्थायित्व प्रदान करना चाहता है। इसके लिए वह ऐसे साधनों का उपयोग करता है, जिससे उसके विचार आगे की पीढ़ी तक पहुँच सकें। इन्हीं गूढ़ विचारों ने लिपि को जन्म दिया इसका प्रारम्भिक रूप क्या था, यह आज बताना संभव नहीं है, परन्तु अनुमान है कि अपने भावों को स्थायित्व प्रदान करने के लिए सर्वप्रथम 'चित्रात्मक' लिपि का प्रयोग हुआ, तत्पश्चात् 'भावलिपि, और अन्ततः 'ध्वनिलिपि'।

82098 -net.com

भाषा और लिपि की अपूर्णता - यह अनुभव-सिद्ध है कि मानव के संवेदनात्मक भावों को भाषा पूर्णतया अभिव्यक्त नहीं कर पाती है हर्ष, शोक, मिठास, कड़वापन आदि भाव भाषा से पूर्णतया व्यक्त नहीं हो पाते हैं। लिपि भाषा का ही स्थूल रूप है। लिपि भी मनोभावों को व्यक्त करने में असमर्थ है। भाषा और लिपि में मुख्य अन्तर यह है कि-(1) भाषा सूक्ष्म है, लिपि स्थूल है। (2) भाषा की ध्वनियों में अस्थायित्व है, लिपि में अपेक्षाकृत अधिक स्थायित्व है। (3) भाषा में सुर, तान आदि के द्वारा बहुत कुछ मनोभावों को व्यक्त किया जा सकता है, लिपि में नहीं।

82098 ... net.com

लिपि की उत्पत्ति- लिपि की उत्पत्ति कब और कैसे हुई, यह इतना ही विवादग्रस्त है, जितना भाषा की उत्पत्ति। भाषा और लिपि की उत्पत्ति के विषय में अन्ततः अनुमान का ही आश्रय लेना पड़ता है। भाषा सूक्ष्म है, अतः उसकी उत्पत्ति बताना अधिक कठिन है। लिपि की उत्पत्ति भी बताना प्रायः उतना ही कठिन है, क्योंकि प्रारम्भ में जिन वस्तुओं पर ये लिपियाँ लिखी गई, वे काल-कवलित हो गई हैं पाषाण, स्तम्भ, ताम्र आदि पर जो कुछ चीजें लिखी गईं, वे 6 हजार वर्ष तक का इतिहास बताती हैं। इनमें भी एकरूपता नहीं है। कहीं कुछ लकीरें, कहीं पशु आदि की आकृति, कहीं भावमुद्रा और कहीं लिपि है।

8209831 ... c-net.com

लिपि-विकास के तीन चरण-

अपनी-अपनी मान्यता के अनुसार विश्व के विभिन्न देशवासियों ने अपनी भाषा का जन्मदाता कोई देवता माना है। भारतीयों ने ब्राह्मी लिपि का जन्मदाता ब्रह्मा को माना है। इसी प्रकार 'मिस्री' लोगों ने **'थाथ'** (Thoth) को, 'बेबिलोनियावालों' ने **'नेबो'** (Nebo) को, प्राचीन 'यहूदियों' ने **'मूसा'** (Moses) को और 'यूनानियों' ने **'हमेंस'** (Hermes) को अपनी-अपनी लिपि का जन्मदाता माना है। आज तक उपलब्ध सामग्री के आधार पर कहा जा सकता है कि प्राचीनतम उपलब्ध सामग्री 4000 ई0 पू0 तक की है। इस प्रकार प्राचीनतम लिपि-चिह्न 6 हजार वर्ष पूर्व तक के मिलते हैं।

8209837844

लिपि-विकास के मुख्यतया तीन चरण हैं-

www.ugc-net.com

(1) चित्रलिपि, (2) भावलिपि, (3) ध्वनिलिपि।

इनके अतिरिक्त तीन भेद और माने जाते हैं। ये गौण भेद हैं। इनका उल्लेखमात्र पर्याप्त है। जैसे-

(1) सूत्र लिपि- सूतों में गाँठ आदि देकर भाव व्यक्त करना। रस्सियों में गाँठ देना, रस्सी की लम्बाई - चौड़ाई, रस्सी का विभिन्न रंगों से रंगना आदि। इसका उल्लेख **'हेरोडोटस'** ने किया है। इसका उदाहरण 'पेरू' में प्राप्त 'क्वीपू' सूत्रलिपि है।

(2) प्रतीकात्मक लिपि- विभिन्न रंगों की वस्तुओं से कुछ विशेष संवाद भेजना। लाल रंग से-युद्ध, सफेद से-युद्ध-विराम आदि। प्राचीन समय में कुछ आदिम जातियों में ऐसे संकेत प्रचलित थे।

(3) भाव-ध्वनि-मूलक लिपि- यह कुछ अंश में भावात्मक और कुछ अंश में ध्वन्यात्मक थी। 'मिस्री, हित्ती, मेसोपोटामियन' आदि लिपियाँ इसमें आती हैं। सिन्धु-घाटी-लिपि को भी कुछ विद्वानों ने इसी श्रेणी में रखा है।

8209837844 www.ugc-net.com

1. चित्रलिपि (Pictography)- यह लिपि का प्राचीनतम रूप था। जिस वस्तु का वर्णन करना होता था, उसका चित्र बना देते थे आदमी स्त्री, आँख आदि के लिए उस जैसा छोटा चित्र बना देते थे इससे संबद्ध व्यक्ति भाव समझ जाता था। ऐसे प्राचीन चित्र फ्रांस, स्पेन, यूनान, इटली, मिस्र आदि से मिले हैं। ये पत्थर, हड्डी, हाथी-दाँत, सींग, छाल, मिट्टी के पात्रों आदि पर होते थे।

82098 ... net.com

समीक्षा- इसके लाभ ये थे- (1) वस्तु का तुरन्त बोध, (2) सर्वजन-सुबोधता, (3) शिक्षण की अनावश्यकता। इसके दोष अधिक हैं-(1) संकेत अनन्त बनाने पड़ते थे। प्रत्येक वस्तु के लिए पृथक् संकेत होता था (2) व्यक्तिवाचक संज्ञाओं का बोध नहीं हो सकता था। (3) अमूर्त भाव एवं विचार प्रकट नहीं हो सकते थे (4) चित्र बनाना श्रमसाध्य कार्य था। शीघ्रता में चित्र नहीं बन सकता था। (5) अधिक समय की अपेक्षा होती थी। (6) ध्वनिलिपि की अपेक्षा स्थान अधिक लेता था (7) स्थान, समय आदि का बोध स्पष्ट रूप से नहीं हो सकता था।

8209837844 ugc-net.com

2. **भावलिपि (Ideography)**- यह लिपि विकास का द्वितीय चरण था। चित्रलिपि अधिक श्रम-साध्य थी, अतः लघुतर उपाय सोचने की प्रक्रिया भी जारी रही। फलस्वरूप भावलिपि का प्रादुर्भाव हुआ। चित्रलिपि और भावलिपि में अन्तर यह है कि चित्रलिपि में केवल वस्तु का चित्र बनाया जाता था भावलिपि में चित्रों को सरल बनाया और साथ ही उनसे संबद्ध अर्थ भी लिए गए। जैसे सूर्य के लिए एक गोला बनाना, गया इससे गर्मी, धूप, प्रकाश, दिन आदि का अर्थ बताना रोने के लिए आँख का चित्र बनाकर इससे आँसू टपकती बूँदें दिखाना। इस प्रकार की लिपि के उदाहरण उत्तरी अमेरिका, चीन, अफ्रीका आदि में मिलते हैं। चीनी लिपि में आज भी अनेक ऐसे शब्द हैं, जो भाव-लिपि मूलक हैं।

8209837844 www.ugc-net.com

समीक्षा- यह चित्र-लिपि का विकसित रूप है। चित्र बनाने की क्लिष्टता कुछ कम हुई। एक चित्र से अनेक अर्थ प्रकट होने लगे। यह चित्राभास लिपि हुई। इसमें भी पूर्ववत् दोष विद्यमान रहे। सूक्ष्म भावों को व्यक्त नहीं किया जा सकता था। किस चित्र से क्या भाव लिए जाएँगे, इसमें समरूपता नहीं थी।

8209837844
.ugc-net.com

3. **ध्वनिलिपि (Phonetic Script)-** यह लिपि-विकास का तृतीय चरण था। यह मानव की लिपि-सम्बन्धी सर्वोत्कृष्ट उपलब्धि थी। इसमें प्रत्येक ध्वनि के लिए कुछ संकेत निर्धारित किए गए। इनसे मुखोच्चरित प्रत्येक ध्वनि को लिपि- बद्ध किया जा सकता था। देश-काल के भेद से ये ध्वनिलिपियाँ अलग-अलग स्थानों पर अलग अलग विकसित हुईं। इस प्रकार की लिपियाँ हैं- **देवनागरी, रोमन, अरबी** आदि। कुछ विद्वानों ने ध्वनिलिपि के दो भेद किए हैं- **(1) अक्षरात्मक** (Syllabic), **(2) वर्णात्मक** (Alphabetic)। अक्षरात्मक में चिह्न किसी अक्षरं (Syllable) को व्यक्त करता है, वर्ण को नहीं। वर्णात्मक में चिह्न वर्ण को व्यक्त करता है। इसमें 'देवनागरी' को 'अक्षरात्मक' में और 'रोमन' को 'वर्णात्मक' में रखा गया है। साथ ही रोमन लिपि की उत्कृष्टता सिद्ध

8209827844 www.ugc-net.com

की गई है। देवनागरी पूर्णतया वर्णात्मक लिपि है। प्रत्येक वर्ण के लिए स्वतन्त्र क् आदि चिह्न हैं। केवल लेखन की सुविधा के लिए वर्णमाला में व्यंजनों को हलन्त (क्, ख्, ग्) न लिखकर अकारान्त (क, ख, ग आदि) लिखा जाता है। रोमन में यान्त्रिक सुविधा अवश्य है, क को KA लिखा जाएगा, अ को अलग दिखाया जा सकता है, परन्तु सांकेतिक निर्देशों के विना अ-आ, इ-ई आदि स्वरों का भेद नहीं दिखाया जा सकता है। अन्तर्राष्ट्रीयता के लिए उसकी उपयोगिता अवश्य है, परन्तु देवनागरी या भारतीय लिपियों से उसे अधिक वैज्ञानिक या उत्कृष्ट कहना केवल प्रलाप है, रोमन में वैज्ञानिकता का नाम भी नहीं है।

Next class....

भारत में लिपिज्ञान एवं लेखनकला-

8209837844 www.ugc-net.com

Home work Question....

92. सुदर्शनतडागस्य पुनर्निर्माता अस्ति-

(A) पुष्यमित्र (B) पुष्यगुप्त

(C) चन्द्रपालित (D) चन्द्रमणि

93. दण्डनीतेः अपरं नाम किम् ?

(A) आयुर्वेदः

(B) तर्कशास्त्रम्

(C) जैमिनीयमीमांसाशास्त्रम्

(D) कौटिलीय-अर्थशास्त्रम्

LIKE
& SHARE

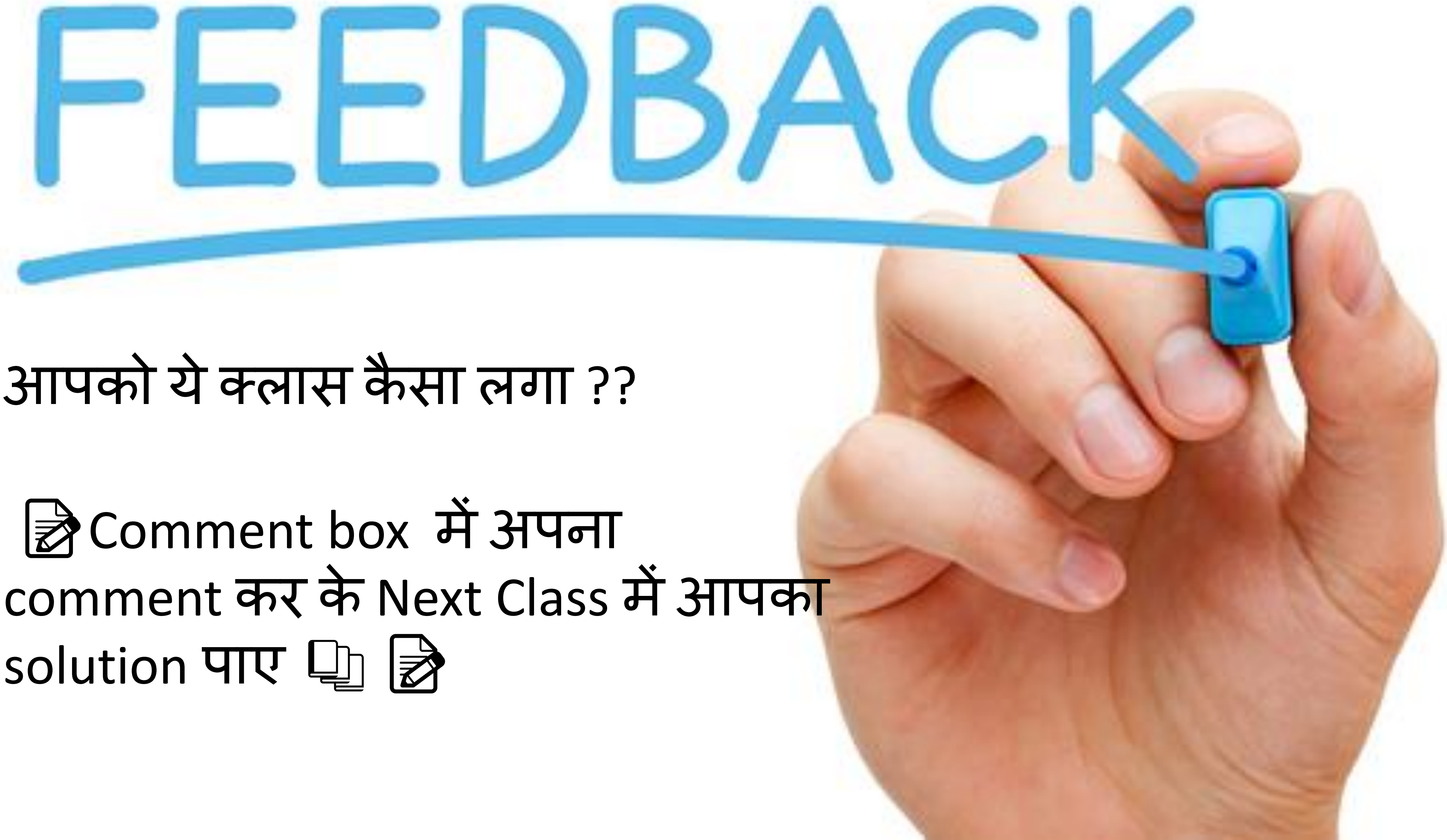

💥 आपको ये क्लास कैसा लगा ??

📝Comment box में अपना comment कर के Next Class में आपका solution पाए 📑 📝

For More Information….

www.ugc-net.com

/Fillerform

/Fillerform

/Fillerform

info@fillerform.com

8209837844

जिसने भी खुद को खर्च किया है,
DUNIYA ने उसी को GOOGLE पर SEARCH किया है।।
www.fillerform.com
fillerform
2

THANK YOU